Hindi Diwas Speech in Hindi for Teachers

सभी आदरणीय अतिथि गण को मेरा नमस्कार आज हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मुझे हिंदी दिवस पर भाषण प्रस्तुत करने का मौका देने के लिए मैं आप सबका आभारी हूं।

हम सब जानते हैं कि पूरे भारतवर्ष में कई दशकों से हिंदी दिवस मनाने की परंपरा चली आ रही है। हर साल 14 सितंबर को हम हिंदी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पूरे भारतवर्ष में मनाते है। यह दिन हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता फैलाने और हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण है। 1949 में हिंदी को राज्य भाषा घोषित की गई थी, इसका कारण था कि भारत में सबसे अधिक बोली जाती है। एक राज्य भाषा मुख्य रूप से भारत के केंद्र सरकार की भाषा को दर्शाता है। इसके बाद कुछ सालों तक यह विवाद रहा कि भारत में अलग-अलग प्रकार के राज्य है जहां अलग-अलग प्रकार की भाषा बोली जाती है तो केवल हिंदी को राष्ट्रभाषा या राज्य भाषा का महत्व क्यों दिया गया है?

हालांकि कुछ सालों तक चले इस विवाद में यह स्पष्ट हुआ कि भारत में सबसे अधिक हिंदी भाषा बोली जाती है और हिंदी भाषा भारत के लगभग हर क्षेत्र में समझी जाती है। इसके बाद हिंदी भाषा को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया गया। 14 सितंबर 1953 को हिंदी भाषा को पूरे भारतवर्ष में प्रचलित करने पर हिंदी साहित्य के महत्व को हर किसी को समझाने के लिए हिंदी दिवस की परंपरा शुरू की गई। 14 सितंबर 1953 से लेकर आज तक हर साल हम इस दिन हिंदी दिवस का त्यौहार मनाते है। हिंदी दिवस मनाने के पीछे का मुख्य मकसद भारत में हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार और हिंदी साहित्य के प्रचार प्रसार से जुड़ा है।

इस दिन हिंदी साहित्य में अतुलनीय काम करने वाले साहित्यकारों को सरकार की तरफ से विभिन्न प्रकार के पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। हिंदी दिवस के अवसर पर हम हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए एकजुट होकर अलग-अलग प्रकार के समारोह का आयोजन करते हैं और लोगों को हिंदी साहित्य की गरिमा के बारे में बताते है। हिंदी दिवस के दिन हम हिंदी साहित्यकारों के बारे में बात करते है। चाहे बात गोस्वामी तुलसीदास के राम चरित्र मानस की हो या प्रेमचंद के द्वारा लिखे गए बेहतरीन उपन्यासों की हर जगह हिंदी भाषा में अपना खूबसूरत चमत्कार दिखाया है जो लोगों के हृदय पर तुरंत काबू कर लेता है। हिंदी एक आदम भाषा है जय भारत कई सालों से इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्तमान समय में हिंदी भाषा पूरे विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा है इससे यह मालूम चलता है कि हिंदी कितनी प्रचलित और प्रतिष्ठित भाषा है। ना जाने कोई सालों के इतिहास को संजोकर संस्कृत भाषा से प्रेरणा लेकर धीरे-धीरे हिंदी हमारी मातृभाषा के रूप में आई है।

1917 में महात्मा गांधी ने गुजरात में हुए एक शिक्षा सम्मेलन में भाषण देते हुए हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला था और उन्होंने उस वक्त ही इस भाषा को भारत की राष्ट्रभाषा बनाने के बारे में बताया। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनुसार हिंदी भाषा का इस्तेमाल विज्ञान, संचार, राजनीति, अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य, जैसे अलग-अलग क्षेत्र में होना चाहिए। मगर दुर्भाग्यवश भारत में हिंदी भाषा का महत्व काफी कम हो गया है यहां लोग हिंदी भाषा से अधिक अंग्रेजी भाषा को महत्व देने लगे है। भाषा की दृष्टि से हर भाषा महत्वपूर्ण है मगर हिंदी हमारी मातृभाषा है जिसे पूरे भारत में हर वर्ग के लोगों के द्वारा समझा जाता है तो पूरे देश में एकता लाने और हर किसी को एकजुट करने के लिए हिंदी दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हालांकि बीते कुछ सालों में इंटरनेट का युग शुरू होने की वजह से हिंदी भाषा का इस्तेमाल काफी तीव्रता से बड़ा है। धीरे-धीरे हिंदी साहित्य को वह स्थान मिलना शुरू हुआ है जो उसे मिलना चाहिए। इसी तरह हिंदी दिवस के रूप में हम हर साल त्यौहार को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाएंगे और हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता को तीव्र करेंगे।